

जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

16 सितंबर 2019

अमेरिका की रोचेस्टर यूनिवर्सिटी के सहयोग से कानून संबंधी पत्रिका शुरू करेंगे जामिया के छात्र

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के फैकल्टी ऑफ़ लॉ के छात्र, सैयद नसीर हसैन जाफ़री और सैयद उमैर अहमद अन्दाबी, इन्स्टिट्यूशनल रिसर्च बोर्ड:आईआरबी: परीक्षा में कामयाबी पाने के साथ ही, अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ़ रोचेस्टर के ग्लोबल एन्गोजमेन्ट प्रोग्राम के लिए चुन लिए गए हैं। इससे इन्हें अमेरिका में रिसर्च प्रोजेक्ट्स शुरू कर सकने की योग्यता मिल गई है। इन दोनों छात्रों ने फाउंडेशन फॉर अकेडेमिया इनोवेशन एंड थॉट:एफएआईटीएच: नाम से एक नॉन प्राफिट संगठन की भी स्थापना की है। इस संगठन ने अपनी पहली पहल में एक इंटर-डिसप्लनेरी लॉ जर्नल की शुरुआत की है। इसका नाम है: साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ लॉ, पालिसी एंड सोशल रिसर्च। यह पत्रिका, दक्षिण एशिया में कानून और अन्य विषयों के बीच रिक्ता को भरने के लिए एक पुल का काम करेगी। एसएसआरएन इस पत्रिका के प्रकाशक है। एफएआईटीएच का उद्देश्य इंटर-डिसप्लनेरी एवं इंटरनेशनल स्कालरशिप के ज़रिए संघर्ष और अन्याय के समाधान खोजने को बढ़ावा देना है। यह क्षेत्रीय और सामाजिक समस्याओं के समाधान तथा सरकारों को न्यायपूर्ण नीतियां बनाने के लिए प्रेरित करने के साथ ही सभी व्यक्तियों के मुक्त, सुरक्षित और सम्मानपूर्ण ज़िन्दगी जी सकने के लिए भी अनुसंधान करेगा। अमेरिका में अपने क्रियाम के दौरान , दोनों छात्रों ने रोचेस्टर विश्वविद्यालय और सुसान बी एंथोनी सेंटर, न्यू यार्क के साथ ही अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों के विद्वानों और शिक्षाविदों को लेकर एक रोटैटरी एडिटोरियल बोर्ड का सफल गठन किया है।

एफएआईटीएच एक इन्क्यूबेटर फंड भी शुरू करने का इरादा रखता है, जो कि दक्षिण एशिया में सामाजिक न्याय की पहल और परियोजनाओं को वित्तीय सहायता देगा। हर साल वे ऐसी चार परियोजनाओं को सहायता उपलब्ध कराएंगे।

इसके अलावा इनकी, दक्षिण एशिया के देशों से जुड़ी समस्याओं का समाधान खोजने के लिए, हर साल चार औपचारिक वार्तालापों का भी आयोजन करने की योजना है। इनमें, अपने अपने क्षेत्रों के दुनिया के जाने माने विद्वानों को बुलाया जाएगा।

सांस्कृतिक आदान प्रदान के प्रसार के लिए, इन छात्रों ने अमेरिका के अंडर ग्रेजुएट और ग्रेजुएट छात्रों के साथ भी सफल समन्वय स्थापित किया है। ये लोग उनके इंटरनेशनल स्टूडेंट कोलाबोरेशन प्रोग्राम के तहत दक्षिण एशिया के वालंटियर्स और इंटर्न के साथ काम करेंगे। पहले मुद्दे का थीम है, दक्षिण एशिया में लिंग-आधारित हिंसा और इसके लिए एबस्ट्रैक्ट दाखिल करने की आखिरी तारीख 20 सितंबर 2019 है। इसके लिए इस लिंक पर संपर्क करें। (<https://faithinchange.org/CALL-FOR-PAPERS-2020>)
इंटरनेशनल स्टूडेंट कोलाबोरेशन प्रोग्राम के लिए छात्र 30 सितंबर 2019 तक अप्लाई कर सकते हैं।

इसके अलावा ये दोनों छात्र फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा भी शुरू कर रहे हैं। दक्षिण एशिया में लिंग आधारित हिंसा पर बेस्ट फोटोग्राफ को पत्रिका के आवरण पर छापा जाएगा। एक एक्सपर्ट कमेटी इन फोटोग्राफ का चयन करेगी जिन्हें आधिकारिक वेबसाइट (www.faithinchange.org) पर प्रकाशित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए admin@faithinchange.org ईमेल को देखें। पत्रिका शुरू होने की संभावित तारीख 8 मार्च 2020 है।

अहमद अज़ीम

जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक